Title: Need to open 'Ashram' Schools in Balsad district, Gujarat.

श्री मणिभाई रामजीभाई चौधरी (बलसाड़) : उपाध्यक्ष महोदय, यद्यपि हमारी सरकार देश के अनेक भागों में आश्रम स्कूलों की स्थापना करने का कार्य बड़ी तेजी से कर रही है किन्तु गुजरात राज्य के बलसाड़ जनपद में आश्रम स्कूलों की स्थापना का कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है। यदि वास्तविक स्थिति कही जाये तो उक्त जनपद में आश्रम स्कूलों की संख्या नगण्य है गुजरात राज्य का बलसाड़ जनपद काफी पिछड़ा हुआ है। यहां की आबादी के लगभग 80 प्रतिशत लोग अनुसूचित जाति के हैं जिनके पास जीवन-यापन का कोई साधन न होने के कारण गरीबी रेखा के नीचे जीवन बिताने को मजबूर हैं। इस जनपद में अधिसंख्य अनुसूचित जनजाति के बच्चे उच्च शिक्षा को कौन कहे, अनिवार्य शिक्षा को भी प्राप्त नहीं कर रहे हैं जिसका परिणाम यह हो रहा है कि अगली पीढ़ी भी गरीबी रेखा के नीचे का जीवन व्यतीत करने के लिये मजबूर हो रहे हैं। यदि सरकार ने इस क्षेत्र के अनुसूचित जनजाति के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिये विशेा रूप से कोई प्र ायास नहीं करेगी तो निश्चित रूप से जिस प्रकार स्वतंत्रता प्राप्त के 50 वर्ाों से अधिक समय बीतने पर जो जीवन स्तर उनका है, वह यथावत् बना रहेगा।

अत: मेरा जनजातीय कार्य मंत्री से अनुरोध है कि मेरे जनपद बलसाड़ में अधिक से अधिक आश्रम स्कूलों की व्यवस्था करें ताकि सभी बच्चों को शिक्षा प्राप्ति का अ वसर मिल सके।